मेटाकौगनिनटभ प्रनिक्षण (MCT)

MCT 7 A – ज़ल्दबाज़ी में निष्कर्ष पर पहुँचना II

© Moritz & Woodward (1|23)
www.uke.de/mct

इस प्रभाग मेंजिन जित्रोंका इस्तेमाल हुआ हैउनके इस्तेमाल की अनुमजत कृ पापूर्वक कलाकाररोंतथा मुद्रजिकाररओों(कॉपीराईट हरल्डर) द्वारा क्रमशः जिया गया है. अजिक िानकारी (कलाकार, शीर्वक) इस प्रस्तुजत के अोंत मेंजिया गया है.

ज़ल्दबाज़ी में निष्कर्ष

अक्सर हम बिना पूरा सच जाने ही निष्कर्ष निकल लेते हैं

- कारण/लाभ: ???

- हानि: ???

ज़ल्दबाज़ी में निष्कर्ष

अक्सर हम बिना पूरा सच जाने ही निष्कर्ष निकल लेते हैं

- कारण/लाभ: समय की बचत, सुरक्षा का अहसास, दुसरे को दृढ़-निश्चयी एवं सक्षम लग्न, इसके अलावा यह सोंच की 'एक गलत निर्णय लेना, निर्णय न लेने से अच्छा है' की भी भूमिका हो सकती है.
- हानि: ???

ज़ल्दबाज़ी में निष्कर्ष

अक्सर हम बिना पूरा सच जाने ही निष्कर्ष निकल लेते हैं

- कारण/लाभ: समय की बचत, सुरक्षा का अहसास, दुसरे को दृढ़-निश्चयी एवं सक्षम लग्न, इसके अलावा यह सोंच की 'एक गलत निर्णय लेना, निर्णय न लेने से अच्छा है' की भी भूमिका हो सकती है.
- हानि: एक गलत और खतरनाक निर्णय लेने का डर

ज़ल्दबाज़ी में निष्कर्ष पर पहुँचना
किन परिस्थितियों में हम बिना पूरा सच जाने निर्णय लेते हैं?

कब	उदाहरण
...जब सूचनाओं तक हमारी पहुँच कम होती है	???
...जब हम अपने पहले के अनुभव के आधार पर सामान्यीकरण कर लेते हैं	???
...जब निर्णय बहुत महत्वपूर्ण नहीं होते	???

ज़ल्दबाज़ी में निष्कर्ष पर पहुँचना
किन परिस्थितियों में हम बिना पूरा सच जाने निर्णय लेते हैं?

कब	उदाहरण
...जब सूचनाओं तक हमारी पहुँच कम होती है	नौकरी के लिए साक्षात्कार- नयी जगह और नए सहयोगियों को पहले से जानने की संभावना कम होती है.
...जब हम अपने पहले के अनुभव के आधार पर सामान्यीकरण कर लेते हैं	???
...जब निर्णय बहुत महत्वपूर्ण नहीं होते	???

ज़ल्दबाज़ी में निष्कर्ष पर पहुँचना
किन परिस्थितियों में हम बिना पूरा सच जाने निर्णय लेते हैं?

कब	उदाहरण
...जब सूचनाओं तक हमारी पहुँच कम होती है	नौकरी के लिए साक्षात्कार- नयी जगह और नए सहयोगियों को पहले से जानने की संभावना कम होती है.
...जब हम अपने पहले के अनुभव के आधार पर सामान्यीकरण कर लेते हैं	अति-सामान्यीकरण पूर्वाग्रहों को जन्म दे सकता है ("एक को देखा, सब को देख लिया")
...जब निर्णय बहुत महत्वपूर्ण नहीं होते	???

ज़ल्दबाज़ी में निष्कर्ष पर पहुँचना
किन परिस्थितियों में हम बिना पूरा सच जाने निर्णय लेते हैं?

कब	उदाहरण
...जब सूचनाओं तक हमारी पहुँच कम होती है	नौकरी के लिए साक्षात्कार- नयी जगह और नए सहयोगियों को पहले से जानने की संभावना कम होती है.
...जब हम अपने पहले के अनुभव के आधार पर सामान्यीकरण कर लेते हैं	अति-सामान्यीकरण पूर्वाग्रहों को जन्म दे सकता है ("एक को देखा, सब को देख लिया").
...जब निर्णय बहुत महत्वपूर्ण नहीं होते	कौन सा केक ख़रीदा जाये, मोज़े का रंग क्या हो इत्यादि.

ज़ल्दबाजी में लिए गए निर्णय के उदाहरण

प्रभाग	उदाहरण
सोशल मीडिया 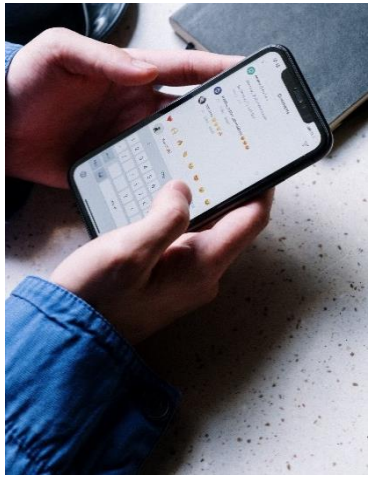	सोशल मीडिया पर अक्सर ऐसी बातें प्रसारित होती हैं जो काफी सनसनीखेज लगती हैं तथा लोगों का ध्यान आकर्षित कर लेती हैं। प्रायः लोग इन पर विश्वास भी कर लेते हैं। हालाँकि जब अधिक गहन अन्वेषण किया जाता है तो प्रायः यह पता चलता है कि उनमें सत्यता नहीं थी या फिर तथ्य प्रसारित बातों के बिल्कुल उलट था। सोशल मीडिया पर ऐसी चीजों को प्रसारित करने वाले ऐसा बिना पूरी बातों को जाने-परखे निर्णय पर पहुँच जाने के कारण कर सकते हैं, या फिर इस बात की भी संभावना होती है कि वे ऐसा कर कोई भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हों। सोशल मीडिया पर चल रहे इन सूचनाओं एवं संवादों को यदि हम थोड़ी भली-भांति परख लें तो हम उनसे भ्रमित होने से बच सकते हैं।

जल्दबाजी में निर्णय “वास्तविक जीवन से उदाहरण”
- दन्त कथा -

दन्त कथा	पक्ष तथा विपक्ष में तर्क	“प्रमाण”
पॉल मैककार्टनी (बीटल्स) के बारे में कुछ लोग यह मानते हैं की उनकी मौत १९६६ में ही हो गयी तथा तत्पश्चात उनका स्थान एक हमशक्ल ने ले लिया।	**इस विचार के पक्ष में तर्क**: ??? **इस विचार के विपक्ष में तर्क**: ???	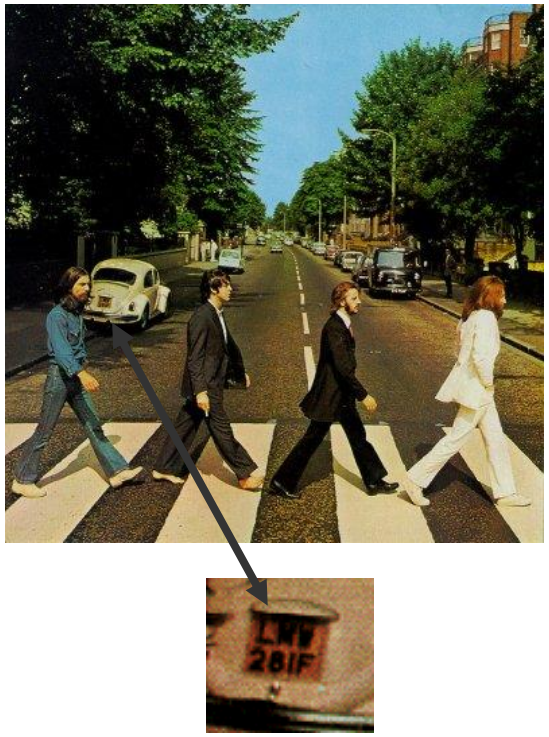

जल्दबाजी में निर्णय “वास्तविक जीवन से उदाहरण”
- दन्त कथा -

दन्त कथा	पक्ष तथा विपक्ष में तर्क	“प्रमाण”
पॉल मैककार्टनी (बीटल्स) के बारे में कुछ लोग यह मानते हैं की उनकी मौत १९६६ में ही हो गयी तथा तत्पश्चात उनका स्थान एक हमशक्ल ने ले लिया।	**इस विचार के पक्ष में तर्क**: कथित रूप से ७० से भी अधिक ऐसे संकेत हैं जो उनके मौत की ओर इशारा करते हैं। इनमें से कुछ संकेत उनके एल्बम 'एबे रोड' के कवर (दायीं ओर दिखाया गया है) पर भी लोग मानते हैं: • पॉल नंगे पैर हैं तथा अत्यंत बीमार लग रहे हैं। • पॉल बाएं हाँथ की प्रमुखता वाले व्यक्ति हैं परन्तु उन्होंने सिगरेट दायीं हाथ में पकड़ रखा है! • लाइसेंस प्लेट “एल एम् डब्लू' (तीर पर ध्यान दें) का अर्थ है 'लिंडा मैककार्टनी वीपिंग” (लिंडा मैककार्टनी रो रही हैं) **इस विचार के विपक्ष में तर्क**: ???	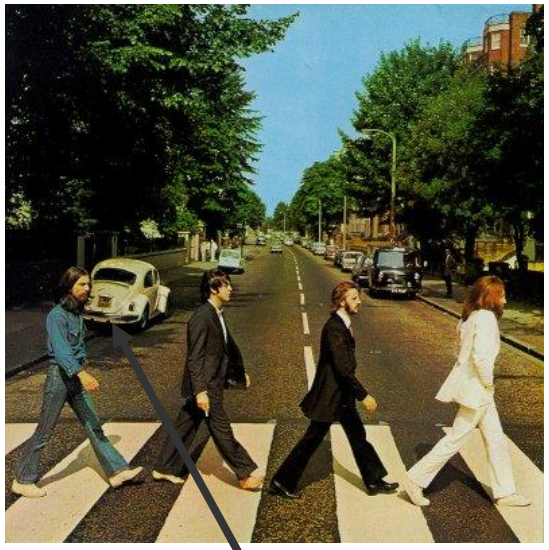

जल्दबाजी में निर्णय “वास्तविक जीवन से उदाहरण”
- दन्त कथा -

दन्त कथा	पक्ष तथा विपक्ष में तर्क	“प्रमाण”
पॉल मैककार्टनी (बीटल्स) के बारे में कुछ लोग यह मानते हैं की उनकी मौत १९६६ में ही हो गयी तथा तत्पश्चात उनका स्थान एक हमशक्ल ने ले लिया।	**इस विचार के पक्ष में तर्क**: कथित रूप से ७० से भी अधिक ऐसे संकेत हैं जो उनके मौत की ओर इशारा करते हैं। इनमें से कुछ संकेत उनके एल्बम 'एबे रोड' के कवर (दायीं ओर दिखाया गया है) पर भी लोग मानते हैं: • पॉल नंगे पैर हैं तथा अत्यंत बीमार लग रहे हैं। • पॉल बाएं हाँथ की प्रमुखता वाले व्यक्ति हैं परन्तु उन्होंने सिगरेट दायीं हाथ में पकड़ रखा है! • लाइसेंस प्लेट “एल एम् डब्लू' (तीर पर ध्यान दें) का अर्थ है 'लिंडा मैककार्टनी वीपिंग” (लिंडा मैककार्टनी रो रही हैं) **इस विचार के विपक्ष में तर्क**: • वैसा ही रूप-रंग (बाह्य-कृति) तथा आवाज़ • प्रमाणों को सोंच-समझ कर बनाया गया। उदाहरण के लिए एल एम् डब्लू का मतलब कुछ भी हो सकता है। • इस दन्त-कथा की उत्पति १९६९ में एक समाचार पत्र के मन-गढ़ंत कहानी के साथ हुआ।	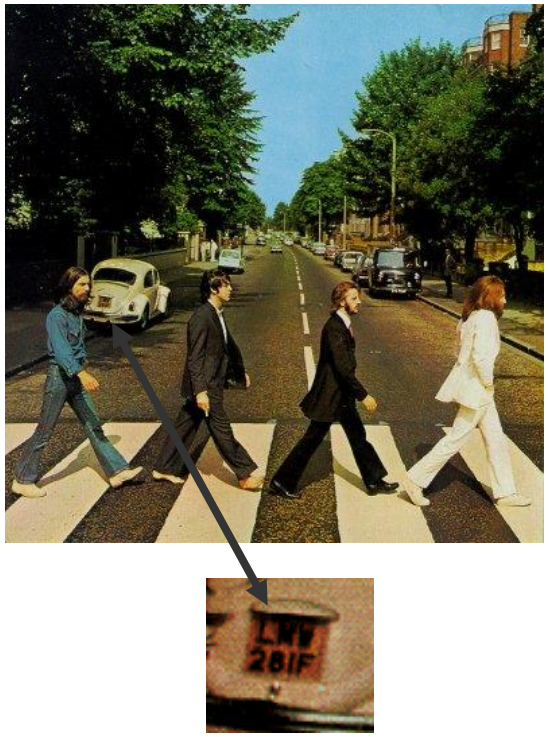

जल्दबाजी में निर्णय “वास्तविक जीवन से उदाहरण”
- दन्त कथा-

क्या पॉल मैककार्टनी का स्थान एक हमशक्ल ने ले लिया था?

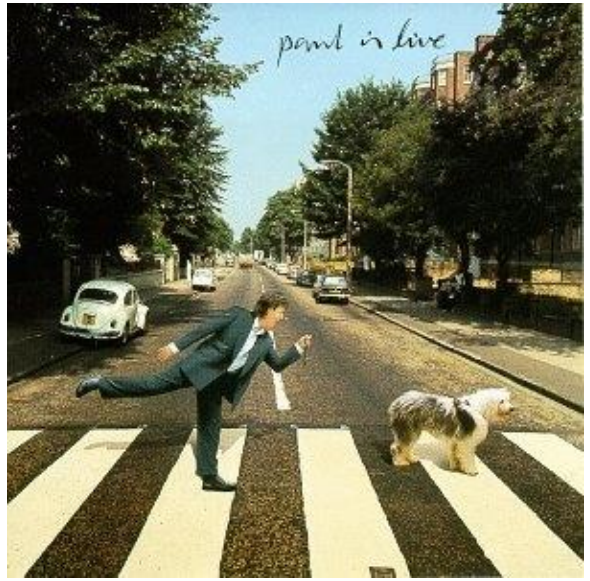

मैककार्टनी ने अपनी मौत के अपवाहों का एक मजाकिया ज़वाब अपनी एक एल्बम के शीर्षक 'पॉल इज एलाइव' (पॉल जीवित है) के रूप में दिया। गौर करें की इस एल्बम का कवर पीछे दिखाए गए 'एबे रोड' के कवर से मिलता है।

नहीं!

इस तरह की दन्त-कथाएँ तथा साजिश के सिधांत कैसे ज़न्म लेते हैं?

???

इस तरह की दन्त-कथाएँ तथा साजिश के सिधांत कैसे ज़न्म लेते हैं?

- ये वास्तविकता से ज्यादा प्रभावित करने वाले होते हैं।
- ये ऐसे तथ्यों पर आधारित होते हैं जिन्हें जाँचना कठिन होता है तथा लोग आसानी से इन पर विश्वास कर लेते हैं
- ये दूसरी संभावित व्याख्याओं को छिपा देते हैं (उदाहरण के लिए एल एम् डब्लू का मतलब कुछ भी हो सकता है)
- दन्त-कथाएँ कभी-कभी उन तथ्यों पर आधारित होते हैं जिन्हें अतिरंजित कर दिया जाता है (उदाहरण के लिए यह एक सच है की मैककार्टनी बाएं हाँथ की प्रमुखता (लेफ्ट-हेंडेड) वाले व्यक्ति हैं, परन्तु इससे उनके दायें हाथ से सिगरेट पकड़ने की सम्भावना नहीं ख़त्म हो जाती).

हम यह क्यों कर रहे हैं?

- अध्ययन यह बताते हैं की मनोविकृति से पीड़ित अनके लोग (हालाँकि सभी नहीं!) अल्प-सूचनाओं के आधार पर निर्णय बना लेते हैं. ऐसे निर्णयों में त्रुटी की सम्भावना उन निर्णयों की तुलना में अधिक होती है जिन्हें सभी उपलब्ध सूचनाओं पर अच्छे से ध्यान देकर लिया गया हो.

हम यह क्यों कर रहे हैं?

- अध्ययन यह बताते हैं की मनोविकृति से पीड़ित अनके लोग (हालाँकि सभी नहीं!) अल्प-सूचनाओं के आधार पर निर्णय बना लेते हैं. ऐसे निर्णयों में त्रुटी की सम्भावना उन निर्णयों की तुलना में अधिक होती है जिन्हें सभी उपलब्ध सूचनाओं पर अच्छे से ध्यान देकर लिया गया हो.
- मनोविकृति से पीड़ित अनके लोगों में (हालाँकि सभी में नहीं!) यथार्थ (रिअलिटी) के प्रत्यक्षण (देखने) में बदलाव आ जाता है. किसी चीज़ या घटना के वैसे व्याख्याओं को चुन लिया जाता है जिसे अधिकतर लोग मानने से इंकार कर दें.

ज़ल्दबाजी में निष्कर्ष किस प्रकार से मनोविकार के दौरान गलत व्याख्याओं को ज़न्म देता है- उदाहरण

घटना	मनोविकार के दौरान व्याख्या	वस्तुतः क्या हुआ
अस्पताल से आपके छुट्टी का दिन आगे कर दिया जाता है.	आप इस बात के लिए आश्वस्त हो जाते हैं की चिकित्सक हार मान चुके हैं.	अस्पताल में एक और बेड की व्यवस्था हो गयी है.
यह विचार की आप किसी योग्य नहीं हैं, आपको परेशान कर रहा है.	आप इस बात के लिए आश्वस्त हैं की यह विचार आप के घर के छत पर लगे एक एंटीना के कारण आ रहा है.	अधिकतर लोग अपने बारे में कभी-न-कभी नकारात्मक विचारों से ग्रसित हो जाते हैं.
आपके मनोचिकित्सक ने वह बात या शब्द कही जो आप बोलने वाले थे.	आपको लगता है की चिकित्सक आपके मन की बात जान जाते हैं.	विचार-विमर्श जिस परिपेक्ष्य में हो रहा था उसमे इस शब्द या बात किसी के मन में आना काफी संभव था.

क्या आपमें से कोई किसी व्यक्तिगत अनुभव को साझा कर सकता है?

अभ्यास

- आगे आपको कुछ चित्र (पेंटिंग) दिखाए जायेंगे. आपको यह बताना है की उस चित्र का सही शीर्षक क्या हो सकता है तथा क्या नहीं हो सकता है.

अभ्यास

- आगे आपको कुछ चित्र (पेंटिंग) दिखाए जायेंगे. आपको यह बताना है की उस चित्र का सही शीर्षक क्या हो सकता है तथा क्या नहीं हो सकता है.
- क्यों कोई शीर्षक मान्य या अमान्य है.

अभ्यास

- आगे आपको कुछ चित्र (पेंटिंग) दिखाए जायेंगे. आपको यह बताना है की उस चित्र का सही शीर्षक क्या हो सकता है तथा क्या नहीं हो सकता है.
- क्यों कोई शीर्षक मान्य या अमान्य है.
- आप अपने निर्णय में आश्वस्तता की मात्रा को भी इंगित करें.

अभ्यास

- आगे आपको कुछ चित्र (पेंटिंग) दिखाए जायेंगे. आपको यह बताना है की उस चित्र का सही शीर्षक क्या हो सकता है तथा क्या नहीं हो सकता है.
- क्यों कोई शीर्षक मान्य या अमान्य है.
- आप अपने निर्णय में आश्वस्तता की मात्रा को भी इंगित करें.
- उन तथ्यों पर खास ध्यान दें जिनसे यह साबित होता है की वह चित्र क्या नहीं हो सकता.

a. विवाह प्रस्ताव

b. फूल बेचने वाला

c. शिक्षक

d. किसी सम्बन्धी की मृत्यु की खबर

a. **विवाह प्रस्ताव**
(कार्ल जेवी, 1896)

b. फूल बेचने वाला

c. शिक्षक

d. किसी सम्बन्धी की मृत्यु की खबर

a. शराबी
b. पढ़ाई करता रसायन-शास्त्री
c. सन्यासी
d. किताबी-कीड़ा

a. शराबी

b. पढ़ाई करता रसायन-शास्त्री
(जोअन पिटर वॉन लैंगेर, १७५६-१८२४)

c. सन्यासी

d. किताबी-कीड़ा

a. नौकर के रहने का कमरा

b. एक गरीब कवि

c. गरीबों के रहने का घर

d. बारिश का दिन

a. नौकर के रहने का कमरा

b. **एक गरीब कवि**
(कार्ल स्पित्ज्वेग, १८३५)

c. गरीबों के रहने का घर

d. बारिश का दिन

a. बदमाश बुढ़िया

b. टकटकी लगाकर देखता लड़का

c. जूता चोर

d. डांट-फटकार

a. बदमाश बुढ़िया

b. टकटकी लगाकर देखता लड़का

c. जूता चोर

d. **डांट-फटकार**
(फर्डिनांड ज़ेओर्जे वाल्दमुलर, १८४६)

वैकल्पिक: विडिओ क्लिप

वैकल्पिक: आज के विषय से सम्बंधित विडिओ क्लिप निम्नांकित वेब साईट पर उपलब्ध है:

http://www.uke.de/mct_videos

विडिओ देखने के बाद आप इस बात पर चर्चा कर सकते हैं कि यह आज के विषय से किस प्रकार सम्बंधित है.

[*प्रशिक्षकों के लिए:*

कुछ विडिओ क्लिप्स में ऐसे भाषा या संवाद हो सकते हैं जो हर आयु तथा हर संस्कृति के लोगों के लिए उपयुक्त न हों. कृपया विडिओ को दिखलाने के पहले स्वयं इसकी उपयुक्तता, जिन लोगों को आप इसे दिखलाने जा रहे हैं उनके सन्दर्भ में, सुनिश्चित कर लें.]

a. भूत से सामना
b. शराबी
c. शिकारी के साथ दुर्घटना
d. कोई भयावह सपना

a. भूत से सामना

b. शराबी

c. शिकारी के साथ दुर्घटना
(कार्ल स्पित्ज्वेग, १८३९)

d. कोई भयावह सपना

a. बच्चे के ज़न्मदिन की पार्टी
b. चश्मा बेचने वाला
c. कोई पढने वाला व्यक्ति
d. आराम का एक दिन

a. बच्चे के ज़न्मदिन की पार्टी

b. चश्मा बेचने वाला
(फ्रेडरिक डैनियल हार्डी, 1826-1911)

c. कोई पढने वाला व्यक्ति

d. आराम का एक दिन

a. पैर की चिकित्सा
b. तारीफ करने वाला
c. चिकित्सक
d. पैर काटता आदमी

a. **पैर की चिकित्सा**
(एडगर डेगास, १८७३)

b. तारीफ करने वाला

c. चिकित्सक

d. पैर काटता आदमी

a. मास्टर जी
b. खिलाडी की दौड़
c. फल चुराते बच्चे
d. दुष्ट आदमी

a. मास्टर जी

b. खिलाडी की दौड़

c. फल चुराते बच्चे
(हर्मन कॉफमन, १८४८)

d. दुष्ट आदमी

a. सैर करते लोग

b. नौका का इंतजार

c. उदास माँ

d. घर से भागते लोग

a. सैर करते लोग

b. **नौका का इंतजार**
(फिलिप लोद्विक सादी, १८३७-१९०४)

c. उदास माँ

d. घर से भागते लोग

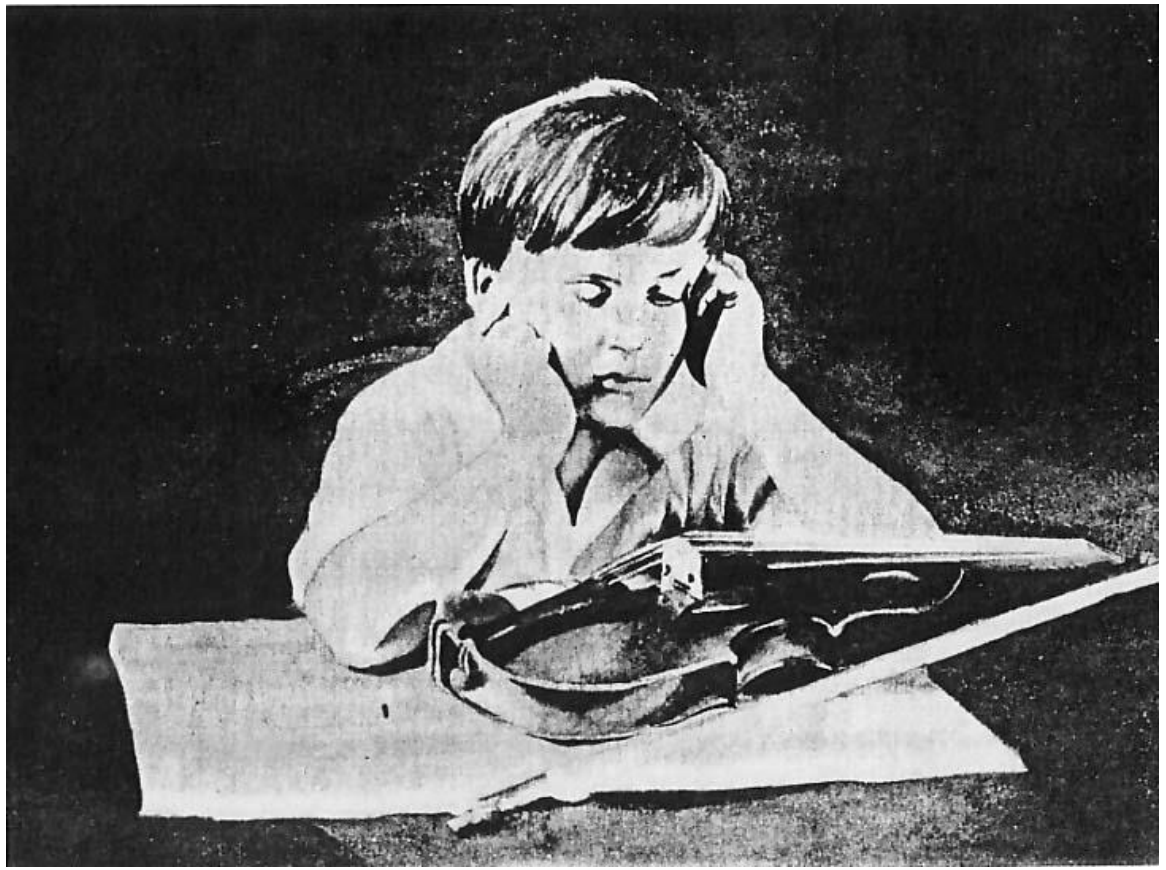

यहाँ पर क्या हो रहा है?

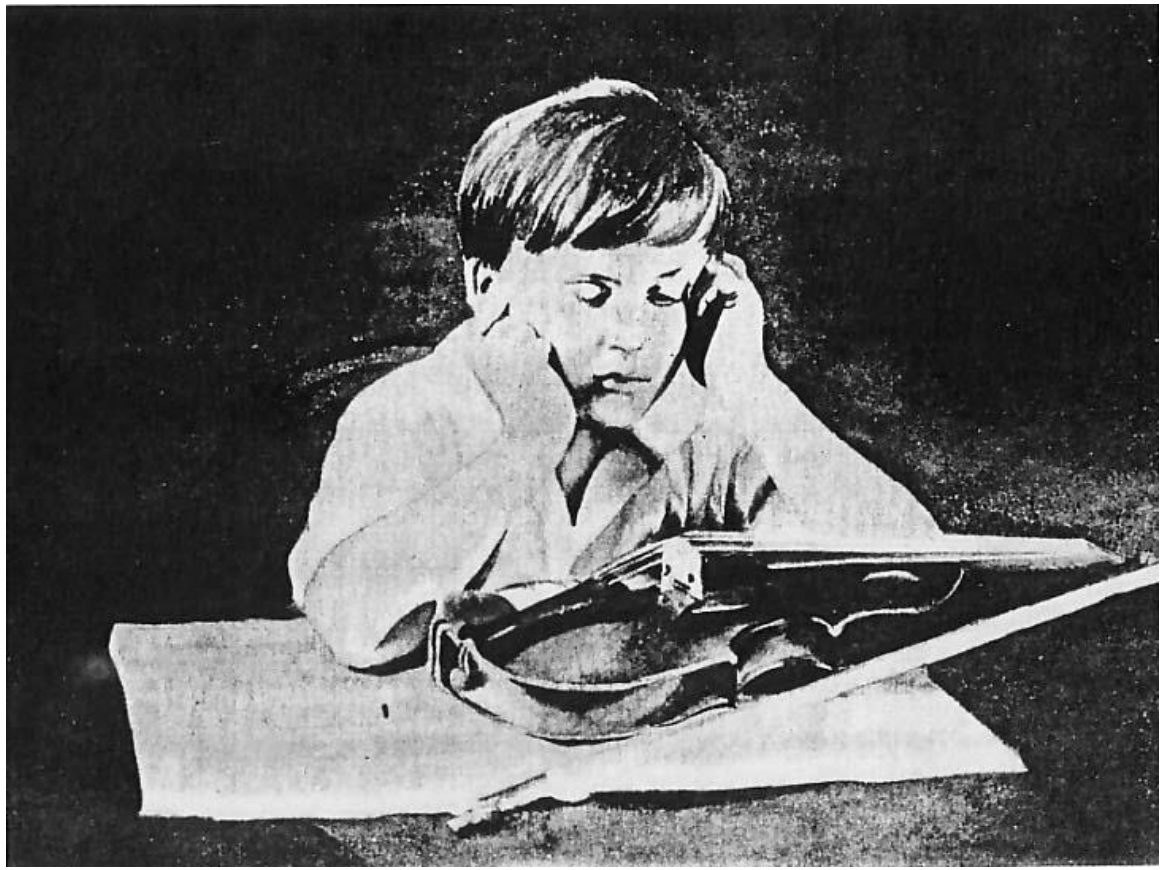

a. लड़का वायलिन बजाना पसंद नहीं करता है लेकिन उसके माता-पिता ऐसा करने के लिए बाध्य करते हैं.

b. एक नेत्रहिन् बालक वायलिन बजाने की इच्छा रखता है.

c. लड़के ने अपने पिता के प्रिय वायलिन को तोड़ दिया है तथा उन्हें बताने से डर रहा है.

d. लड़का एक अच्छा वायलिनवादक है तथा आने वाले संगीत समारोह से पहले अपना ध्यान केन्द्रित कर रहा है.

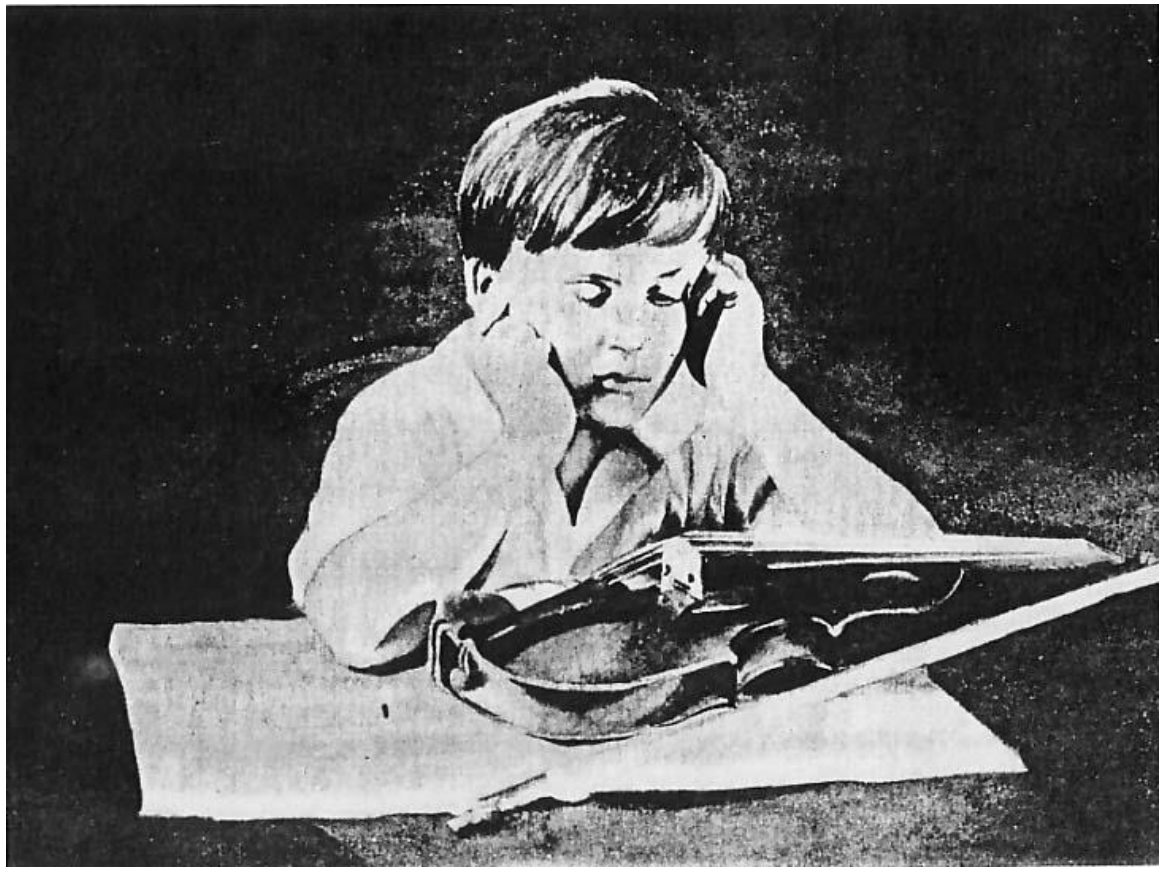

a. लड़का वायलिन बजाना पसंद नहीं करता है लेकिन उसके माता-पिता ऐसा करने के लिए बाध्य करते हैं.

b. एक नेत्रहिन् बालक वायलिन बजाने की इच्छा रखता है.

c. लड़के ने अपने पिता के प्रिय वायलिन को तोड़ दिया है तथा उन्हें बताने से डर रहा है.

d. लड़का एक अच्छा वायलिनवादक है तथा आने वाले संगीत समारोह से पहले अपना ध्यान केन्द्रित कर रहा है.

a. प्रेम-पत्र देता लड़का

b. दुष्ट पडोसी

c. घर बदलते लोग

d. ऊँचाई नापता आदमी

a. प्रेम-पत्र देता लड़का
(कार्ल स्पित्ज्वेग, १८६०)

b. दुष्ट पडोसी

c. घर बदलते लोग

d. ऊँचाई नापता आदमी

a. हत्या का गवाह
b. नाटक
c. सिनेमा घर में
d. भागती दुल्हन

a. हत्या का गवाह

b. **नाटक**
(दौमिएर ओनोर, १८३१/३२)

c. सिनेमा घर में

d. भागती दुल्हन

दैनिक जीवन में स्थानांतरण

सीखने के उदेश्य:

- जब निर्णय महत्वपूर्ण या अति-महत्वपूर्ण होते हैं तो ज़ल्दबाजी में निर्णय न लेकर सभी प्रासंगिक सूचनाओं पर ध्यान दें (बाद में पछताने की अपेक्षा सुरक्षित रहना बेहतर है)

दैनिक जीवन में स्थानांतरण

सीखने के उदेश्य:

- जब निर्णय महत्वपूर्ण या अति-महत्वपूर्ण होते हैं तो ज़ल्दबाजी में निर्णय न लेकर सभी प्रासंगिक सूचनाओं पर ध्यान दें (बाद में पछताने की अपेक्षा सुरक्षित रहना बेहतर है)
- उदाहरण- एक आदमी हकला रहा है “क्या वह नशे में है”

दैनिक जीवन में स्थानांतरण

सीखने के उदेश्य:

- जब निर्णय महत्वपूर्ण या अति-महत्वपूर्ण होते हैं तो ज़ल्दबाजी में निर्णय न लेकर सभी प्रासंगिक सूचनाओं पर ध्यान दें (बाद में पछताने की अपेक्षा सुरक्षित रहना बेहतर है)
- उदाहरण- एक आदमी हकला रहा है *"क्या वह नशे में है"*
- उसे ध्यान से देखें- क्या वह शराब की दुकान से आ रहा है? क्या उसके मुंह से शराब की गंध आ रही है?
  आदमी को बोलने में परेशानी हो सकती है, शायद ऐसा पक्षाघात के कारण हुआ हो.

दैनिक जीवन में स्थानांतरण

सीखने के उदेश्य:

- जब निर्णय महत्वपूर्ण या अति-महत्वपूर्ण होते हैं तो ज़ल्दबाजी में निर्णय न लेकर सभी प्रासंगिक सूचनाओं पर ध्यान दें (बाद में पछताने की अपेक्षा सुरक्षित रहना बेहतर है)
- उदाहरण- एक आदमी हकला रहा है *"क्या वह नशे में है"*
- उसे ध्यान से देखें- क्या वह शराब की दुकान से आ रहा है? क्या उसके मुंह से शराब की गंध आ रही है?
  आदमी को बोलने में परेशानी हो सकती है, शायद ऐसा पक्षाघात के कारण हुआ हो.
- यद् रखिये ज़ल्दबाजी में निर्णय लेने में गलतियाँ हो सकती हैं

दैनिक जीवन में स्थानांतरण

सीखने के उदेश्य:

- जब निर्णय महत्वपूर्ण या अति-महत्वपूर्ण होते हैं तो ज़ल्दबाजी में निर्णय न लेकर सभी प्रासंगिक सूचनाओं पर ध्यान दें (बाद में पछताने की अपेक्षा सुरक्षित रहना बेहतर है)
- उदाहरण- एक आदमी हकला रहा है *"क्या वह नशे में है"*
- उसे ध्यान से देखें- क्या वह शराब की दुकान से आ रहा है? क्या उसके मुंह से शराब की गंध आ रही है?
  आदमी को बोलने में परेशानी हो सकती है, शायद ऐसा पक्षाघात के कारण हुआ हो.
- यद् रखिये ज़ल्दबाजी में निर्णय लेने में गलतियाँ हो सकती हैं
- कम महत्वपूर्ण चीजों के लिए हमें ज्यादा सोंचने की ज़रुरत नहीं है (उदाहरण के लिए आज कौन सा कपडा पहनना है)

दैनिक जीवन में स्थानांतरण

सीखने के उदेश्य:

- जब निर्णय महत्वपूर्ण या अति-महत्वपूर्ण होते हैं तो ज़ल्दबाजी में निर्णय न लेकर सभी प्रासंगिक सूचनाओं पर ध्यान दें (बाद में पछताने की अपेक्षा सुरक्षित रहना बेहतर है)
- उदाहरण- एक आदमी हकला रहा है *"क्या वह नशे में है"*
- उसे ध्यान से देखें- क्या वह शराब की दुकान से आ रहा है? क्या उसके मुंह से शराब की गंध आ रही है?
  आदमी को बोलने में परेशानी हो सकती है, शायद ऐसा पक्षाघात के कारण हुआ हो.
- यद् रखिये ज़ल्दबाजी में निर्णय लेने में गलतियाँ हो सकती हैं
- कम महत्वपूर्ण चीजों के लिए हमें ज्यादा सोंचने की ज़रुरत नहीं है (उदाहरण के लिए आज कौन सा कपडा पहनना है)
- इस सम्भावना के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए की हमसे गलतियाँ हो सकती हैं.

दैनिक जीवन में स्थानांतरण

सीखने के उदेश्य:

- जब निर्णय महत्वपूर्ण या अति-महत्वपूर्ण होते हैं तो ज़ल्दबाजी में निर्णय न लेकर सभी प्रासंगिक सूचनाओं पर ध्यान दें (बाद में पछताने की अपेक्षा सुरक्षित रहना बेहतर है)
- उदाहरण- एक आदमी हकला रहा है *"क्या वह नशे में है"*
- उसे ध्यान से देखें- क्या वह शराब की दुकान से आ रहा है? क्या उसके मुंह से शराब की गंध आ रही है?
  आदमी को बोलने में परेशानी हो सकती है, शायद ऐसा पक्षाघात के कारण हुआ हो.
- यद् रखिये ज़ल्दबाजी में निर्णय लेने में गलतियाँ हो सकती हैं
- कम महत्वपूर्ण चीजों के लिए हमें ज्यादा सोंचने की ज़रुरत नहीं है (उदाहरण के लिए आज कौन सा कपडा पहनना है)
- इस सम्भावना के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए की हमसे गलतियाँ हो सकती हैं.
- महत्वपूर्ण निर्णयों को दृढ़ तथ्यों के आधार पर लें. सिर्फ अनुमान "बुरे सलाहकार" होते हैं. हमेशा गलत निर्णयों के परिणामों को ध्यान में रखें.

इसका मानसिक रोग से क्या सम्बन्ध है

बहुत से लोग [पर सभी नहीं!] जब मानसिक रोग से ग्रसित होते हैं तो उनकी ज़ल्दबाजी में निर्णय लेने की प्रवृति बढ़ जाती है. ऐसा तब और भी होता है जब व्यक्ति दवाब में हो.

इसका मानसिक रोग से क्या सम्बन्ध है

बहुत से लोग [पर सभी नहीं!] जब मानसिक रोग से ग्रसित होते हैं तो उनकी ज़ल्दबाजी में निर्णय लेने की प्रवृति बढ़ जाती है. ऐसा तब और भी होता है जब व्यक्ति दवाब में हो.

उदाहरण- राहुल अपनी कार चलाकर विश्वविद्यालय जाना चाहता है, लेकिन उसे चाभी नहीं मिलती. वह सोंचता है की उसे कैम्पस में गाडी चलाने से रोकने के लिए देखभाल करने वाले व्यक्ति ने उसकी चाभी चुरा ली है.

पृष्ठभूमि- वह यह मानता है की लोग उसे विश्वविद्यालय से निकालना चाहते हैं.

लेकिन- देखभाल करने वाला व्यक्ति चाभी चुराकर विश्वविद्यालय से क्यों और कैसे निकल पायेगा. उसके हाथ में उसकी चाभी कैसे आएगी.

इसका मानसिक रोग से क्या सम्बन्ध है

बहुत से लोग [पर सभी नहीं!] जब मानसिक रोग से ग्रसित होते हैं तो उनकी ज़ल्दबाजी में निर्णय लेने की प्रवृति बढ़ जाती है. ऐसा तब और भी होता है जब व्यक्ति दवाब में हो.

उदाहरण- राहुल अपनी कार चलाकर विश्वविद्यालय जाना चाहता है, लेकिन उसे चाभी नहीं मिलती. वह सोंचता है की उसे कैम्पस में गाडी चलाने से रोकने के लिए देखभाल करने वाले व्यक्ति ने उसकी चाभी चुरा ली है.

पृष्ठभूमि- वह यह मानता है की लोग उसे विश्वविद्यालय से निकालना चाहते हैं.

लेकिन- देखभाल करने वाला व्यक्ति चाभी चुराकर विश्वविद्यालय से क्यों और कैसे निकल पायेगा. उसके हाथ में उसकी चाभी कैसे आएगी.

किसी पर गंभीर आरोप लगाने से पहले विभिन्न श्रोतों से आप जितना अधिक से अधिक सूचना ग्रहण कर सकते हैं कर लें तथा उनकी हरसंभव व्याख्या पर खुद भी ध्यान दें तथा आप जिन लोगों पर विश्वास करते हैं उनसे भी विचार-विमर्श करें.

ध्यान देने के लिए आपका धन्यवाद!

प्रशिक्षकों के लिए:

कृपया वर्कशीट हाथ करें। हमारे ऐप COGITO (मुफ्त डाउनलोड) का परिचय दें।.

www.uke.de/mct_app

Scan me

Download on the App Store

ANDROID APP ON Google play

Pictures used in this module are reproduced with indirect (creative commons license) or direct permission of the artists listed below, for which we would like to express our gratitude! A full list can be obtained via www.uke.de/mct. If we have involuntarily breached copyright, please accept our apologies. In this case, we kindly ask creators for their permission to use their work under the “fair use” policy.

Die in diesem Modul verwendeten Bilder wurden mit der indirekten (creative commons Lizenz) oder direkten Zustimmung der untenstehenden Künstler reproduziert, wofür wir uns herzlich bedanken möchten! Eine vollständige Liste ist hinterlegt auf www.uke.de/mkt. Sollten wir unbeabsichtigt gegen das Urheberrecht verstoßen haben, so bitten wir dies vielmals zu entschuldigen und bitten nachträglich um die Verwendungserlaubnis.

Name Photographer/Artist Name Fotograf/Künstler	Source/ Quelle	Picture Name/ Name des Bildes	CC = used with corresponding creative commons license; PP = used with personal permission of artist CC = genutzt unter creative commons Lizenz, PP = verwendet mit persönlicher Zustimmung des Künstlers	Description/Kurzbeschreibung
cottonbro	Kostenloses Foto zum Thema: anwendung, bildschirm, Elektrik (pexels.com)	- - -	CC	Social Media
miss_blackbutterlfy	flickr	“One thousand Americans stop smoking every day - by dying. They say Nicotine patches are great. Stick one over each eye and you can't find your cigarettes.”	CC	Marlboro cigarette boxes/Marlboro Zigarettenschachteln

All reproduced paintings are in the public domain because their copyright has expired (all artists died more than 70years ago).

Alle abgebildeten Kunstwerke sind gemeinfrei (“public domain”), da die Schutzfrist des Urheberrechts unseres Wissens abgelaufen ist (“public domain”; alle Künstler verstarben vor mindestens 70 Jahren). Alle Reproduktionen gelten ebenfalls als gemeinfrei.

जल्दबाजी में निर्णय “वास्तविक जीवन से उदाहरण”
- दन्त कथा-

दन्त कथा	इसे एक षड़यंत्र मानने वाले	“प्रमाण”
कुछ लोग ऐसा मानते हैं की १९६९ में चन्द्रमा पर किसी ने कदम रखा ही नहीं तथा यह एक धोखा था।	इस विचार के पक्ष में तर्क?	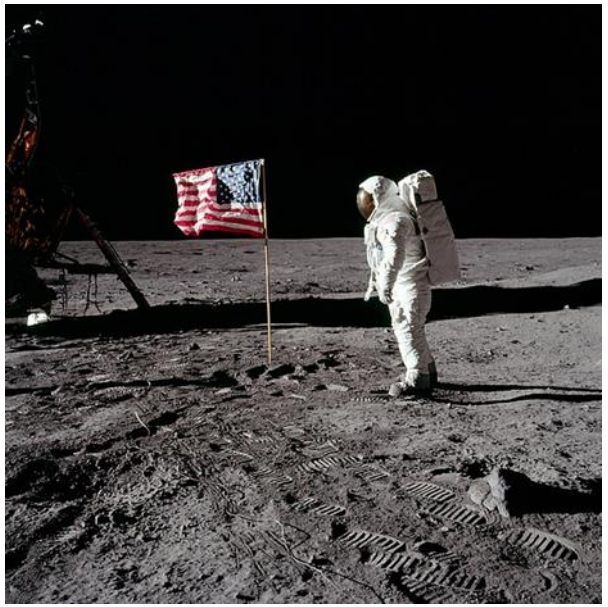

जल्दबाजी में निर्णय “वास्तविक जीवन से उदाहरण”
- दन्त कथा-

दन्त कथा	इसे एक षड़यंत्र मानने वाले	“प्रमाण”
कुछ लोग ऐसा मानते हैं की १९६९ में चन्द्रमा पर किसी ने कदम रखा ही नहीं तथा यह एक धोखा था।	इसमें अमेरिका के अपने निहित स्वार्थ थे: 1. सोविअत यूनियन (रूस) के साथ अन्तरिक्ष यात्रा पर चल रहे प्रतियोगिता में यह अमेरिका के “तकनिकी विजय” के समान था जिसने अन्तरिक्ष में कुछ समय पहले एक यान भेजा था। 2. वियतनाम युद्ध से लोगों का ध्यान हटाने के लिये 3. नासा ने खुद चन्द्र-अभियान की झूठी रचना की थी ताकि सरकार से उसे पैसा मिलता रहे	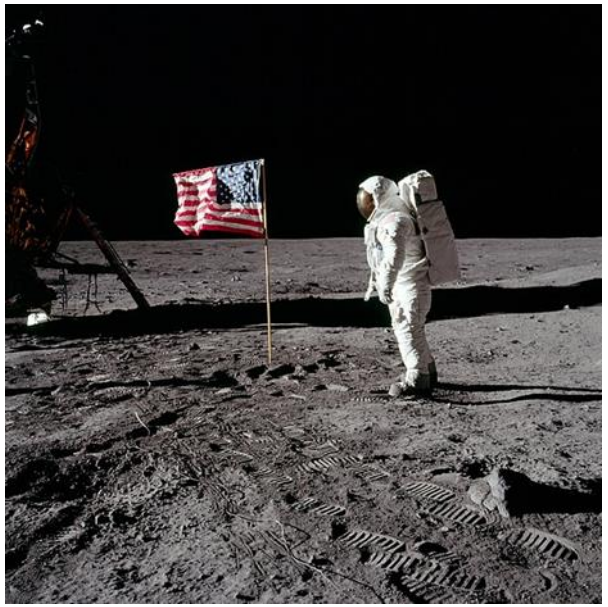

जल्दबाजी में निर्णय “वास्तविक जीवन से उदाहरण”
- दन्त कथा-

दन्त कथा	पक्ष तथा विपक्ष	“प्रमाण”
कुछ लोग ऐसा मानते हैं की १९६९ में चन्द्रमा पर किसी ने कदम रखा ही नहीं तथा यह एक धोखा था।	**पक्ष**: ???	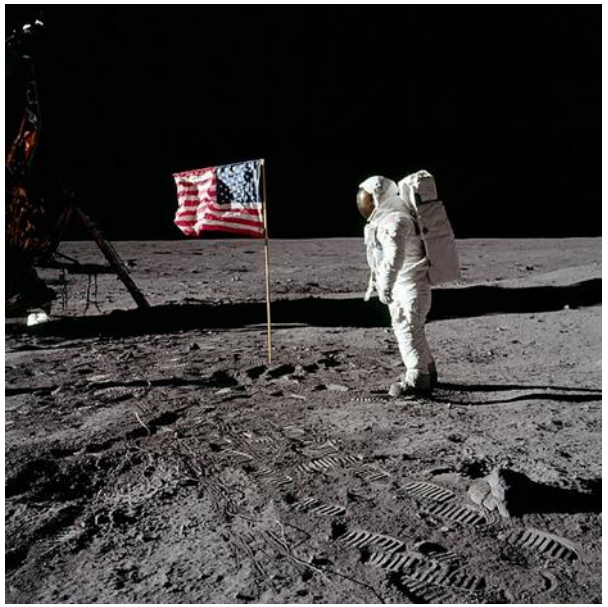

जल्दबाजी में निर्णय “वास्तविक जीवन से उदाहरण”
- दन्त कथा-

दन्त कथा	पक्ष तथा विपक्ष	“प्रमाण”
कुछ लोग ऐसा मानते हैं की १९६९ में चन्द्रमा पर किसी ने कदम रखा ही नहीं तथा यह एक धोखा था।	**पक्ष**: 1. “हिलता हुआ झंडा”: असंभव क्योंकि चन्द्रमा पर कोई जलवायु/ वातावरण नहीं है 2. तारे- रहित आकाश तथा विभिन्न दिशाओं से पड़ते हुए छाये किसी स्टूडियो में इसके फिल्माए जाने की ओर इशारा करते हैं 3. अन्तरिक्ष-यात्री आर्मस्ट्रोंग का सन्देश: राष्ट्रपति निक्सन के अंतिम वाक्य पर वह बहुत ज़ल्दी ज़वाब दे देते हैं। रेडिओ संकेतों को चन्द्रमा से पृथ्वी पर पहुँचने के लिए आर्मस्ट्रोंग का ज़वाब जितनी ज़ल्दी मिल गया उससे ज्यादा समय चाहिए।	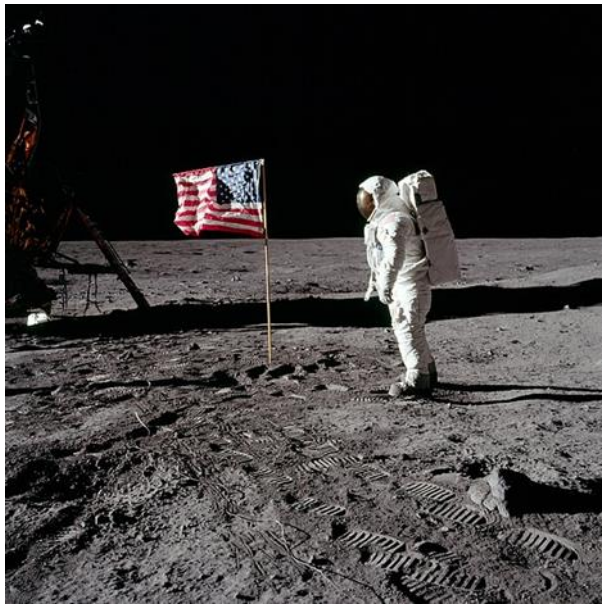

जल्दबाजी में निर्णय “वास्तविक जीवन से उदाहरण”
- दन्त कथा-

दन्त कथा	पक्ष तथा विपक्ष	“प्रमाण”
कुछ लोग ऐसा मानते हैं की १९६९ में चन्द्रमा पर किसी ने कदम रखा ही नहीं तथा यह एक धोखा था।	**विपक्ष**: ???	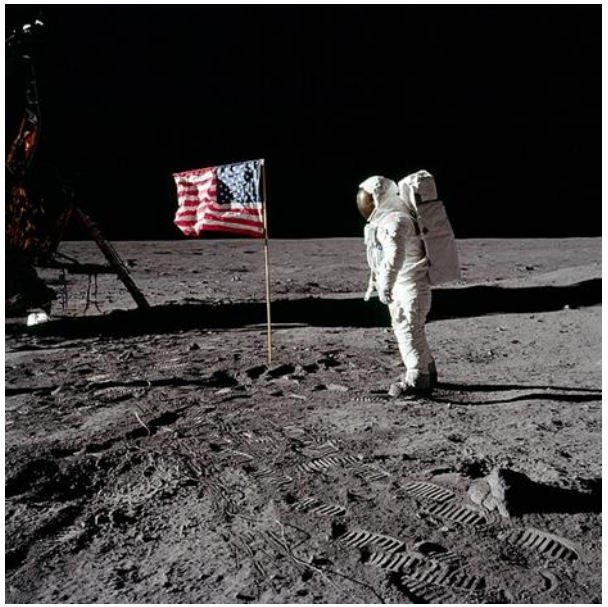

जल्दबाजी में निर्णय “वास्तविक जीवन से उदाहरण”
- दन्त कथा-

दन्त कथा	पक्ष तथा विपक्ष	“प्रमाण”
कुछ लोग ऐसा मानते हैं की १९६९ में चन्द्रमा पर किसी ने कदम रखा ही नहीं तथा यह एक धोखा था।	**विपक्ष**: 1. झंडे का हिलना झंडे के डंडे को चन्द्रमा के धरातल पर स्थापित करने एवं एक सहायक छड के कारण हुआ। 2. रात्रि में किये गए फोटोग्राफी में उन चीजों के चित्र नहीं आ पाते जिनका प्रकाश श्रोत कमज़ोर हो। ऐसा एक्सपोज़र समय के कारण होता है। तारे इसी कारण इन चित्रों में नहीं दीखते हैं। 3. छायों का ऐसा प्रतीत होना मानो वे विभिन्न दिशाओं से पड़ रहे हों, ऐसा चाँद के असमान धरातल के कारण होता है। 4. राष्ट्रपति निक्सन तथा आर्मस्ट्रांग के बीच के बात-चित को सम्पादित किया गया था ताकि प्रसारण में समय की बचत हो।	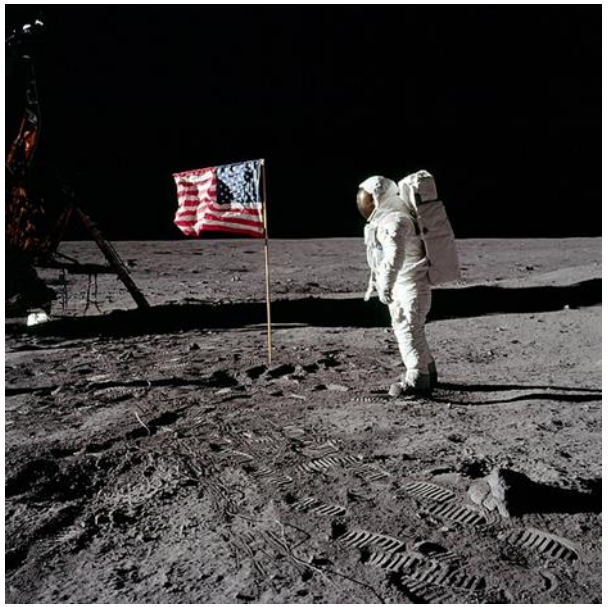

जल्दबाजी में निर्णय “वास्तविक जीवन से उदाहरण”
- दन्त कथा-

क्या चन्द्र अभियान अमेरिकी सरकार की एक झूठी रची गयी घटना थी?

नहीं!

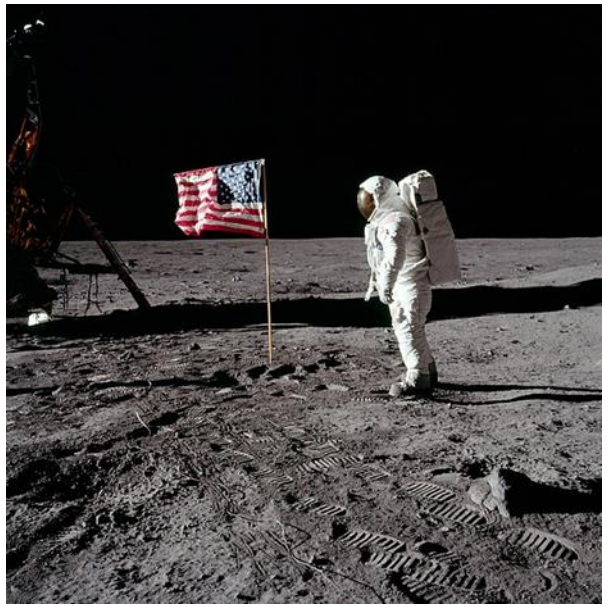

निर्देशक रोनाल्ड एम्मेरीच (इंडिपेंडेंस डे): “चन्द्र अभियान बहुत ही अच्छा था। १९६० के दशक में ऐसे किसी घटना का नाट्य सृजन असंभव था। यहाँ तक की आज के उपकरणों से भी ऐसा करना कठिन होगा।”

Source: German television station ZDF: “Vorsicht Verschwörung” (Beware conspiracy)

इस तरह की दन्त-कथाएँ तथा साजिश के सिधांत कैसे ज़न्म लेते हैं?

???

इस तरह की दन्त-कथाएँ तथा साजिश के सिधांत कैसे ज़न्म लेते हैं?

- ये वास्तविकता से ज्यादा प्रभावित करने वाले होते हैं।
- ये ऐसे तथ्यों पर आधारित होते हैं जिन्हें जाँचना कठिन होता है तथा लोग आसानी से इन पर विश्वास कर लेते हैं (उदाहरण के लिए हिलता हुआ झंडा इस बात की ओर इशारा करता है की तस्वीरें पृथ्वी पर ली गयीं)
- ये दूसरी संभावित व्याख्याओं को छिपा देते हैं (उदाहरण के लिए तारे-रहित आकाश को रात्रि के फोटोग्राफी से जुडी समस्या से व्याख्या किया जा सकता है)
- दन्त-कथाएं तथ्यों को दूसरी तरफ मोड़ देते हैं एवं उन्हें आखिरी सीमाओं ले जाते हैं